दैनिक भास्कर बुरहानपुर 15-03-2024

मंच पर साकार हुआ वीरांगना रानी दुर्गावती का शौर्य, गाथा से नम हुईं दर्शकों की आंखें

कार्यक्रम • वीरांगना रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर हुआ महानाट्य, मंच पर 35 कलाकारों ने दी प्रस्तुति, इसे दर्शकों ने खूब सराहा

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और नेपा लिमिटेड के तत्वावधान में नेपानगर जागृति कला केंद्र द्वारा 13 मार्च को नेपानगर में वीरांगना रानी दुर्गावती शौर्य गाथा महानाट्य लाइट एंड साउंड शो का मंचन किया गया। मंच पर 35 कलाकारों ने वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथाओं को मंच पर प्रस्तुत किया। इसे देख-सुन दर्शकों की आंखें नम हो गईं।

मंच पर दुर्गावती की ललकार और अकबर के सेनापति आसफ खान की हुंकार से पूरा ऑडिटोरियम गूंज उठा। महानाट्य में एक तरफ सबसे उम्रदराज 68 वर्षीय कलाकार शीला चौधरी ने दुर्गावती की मां का किरदार निभाया, वहीं सबसे छोटे नौ वर्षीय बाल कलाकार आदित्य दरबार ने दुर्गावती के पुत्र वीर नारायण का किरदार निभाया। दुर्गावती की मुख्य भूमिका दीपिका सोनी ने निभाई। आसफ खान की भूमिका में संजय रोड़े ने अपने अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। महानाट्य का लेखन और निर्देशन मुकेश दरबार ने किया। गीत प्रकाश केदारे और संगीत राहुल वानकर ने दिया।

कलाकारों ने महानाट्य की प्रस्तुति दी।

दो महीने से खंगाल रहे थे इतिहास, कम मिल पाई जानकारी

मुकेश दरबार ने बताया पिछले दो महीने से हम वीरांगना रानी दुर्गावती के इतिहास के पन्नों को खंगाल रहे थे। यह अफसोस की बात है कि बहुत ही कम जानकारी इतिहास में वीरांगना के बारे में मिलती है। 4 अक्टूबर 1524 को वीरांगना दुर्गावती ने कालिंजर किले में जन्म लिया था। गोंडवाना राज्य के राजकुमार दलपत शाह के साथ उनका विवाह हुआ। पति की असमय मृत्यु के बाद दुर्गावती के कंधों पर गोंडवाना राज्य की बागडोर आ गई। उन्होंने अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और अंत में मातृभूमि की रक्षा की खातिर आत्म बलिदान कर लिया। देश उनकी 500वीं जयंती मना रहा है। उनकी शौर्य गाथाओं को आमजन के सामने प्रस्तुत करना हमारे लिए गौरव की बात है। आज की युवा पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि हमारे देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए किन-किन वीरांगनाओं ने बलिदान दिया है।

इन कलाकारों ने दी प्रस्तुति

संजय रोड़े, राजेश बोडस, प्रकाश शिंदे, रविंद्र हनोते, सैय्यद निस्सार, प्रकाश केदारे, दिलीप शिंदे, अशोक शेल्के, शंकर चौहान, प्रकाश मराठे, रूपेश महाजन, दुर्गेश पवार, रविंद्र गेहलोद, फिरोज मंसूरी, राजू, आदित्य दरबार, विजय मोरे, दीपिका सोनी, रेशमा अहमद, शिला चौधरी, पार्वती दलाल, मुकेश दरबार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि नेपा मिल के मुख्य महाप्रबंधक आर. अलागेशन नेपानगर, महाप्रबंधक अजय गोयल, ज्ञानेश्वर खैरनार और सुब्रजीत दास रहे। सुरेंद्र मेहता, मीना लोंधे, विजय शाह सहित नेपा लिमिटेड के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में दर्शकों ने महानाट्य देखा।

वीरांगना रानी दुर्गावती शौर्य गाथा महानाट्य लाइट एंड साउंड शो का मंचन

रानी दुर्गावती की शौर्य गाथा देख निकले आंसू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नेपानगर. संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और नेपा लिमिटेड नेपानगर के तत्वावधान में नेपानगर जागृति कला केंद्र द्वारा 13 मार्च को नेपानगर में वीरांगना रानी दुर्गावती शौर्य गाथा महानाट्य लाइट एंड साउंड शो का मंचन किया गया। मंच पर 35 कलाकारों ने वीरांगना रानी दुर्गावती की शौर्य गाथाओं को जब मंच पर प्रस्तुत किया तो दर्शकों की आंखें नम हो गईं।

मंच पर दुर्गावती की ललकार और अकबर के सेनापति आसफ खां की हुंकार से पूरा ऑडिटोरियम गूंज उठा। महानाट्य में एक तरफ सबसे उम्रदराज कलाकार शीला चौधरी (68) ने दुर्गावती की मां का किरदार निभाया तो वही सबसे छोटे बाल कलाकार आदित्य दरबार 9 वर्ष ने दुर्गावती के पुत्र वीर नारायण का किरदार निभाया। दुर्गावती की मुख्य भूमिका दीपिका सोनी ने निभाई। आसफ खां की भूमिका में संजय रोड़े ने दर्शकों का मन मोह लिया। लेखन व निर्देशन मुकेश दरबार ने किया। गीत प्रकाश केदारे और संगीत राहुल वानकर ने दिया।

नेपानगर के जनजागृति केंद्र में रानी दुर्गावती का महानाट्य हुआ। इसमें 35 कलाकारों ने मंच पर दर्शकों की तालियां बटोरी।

पहले रानी दुर्गावती का इतिहास तलाशा

मुकेश दरबार ने बताया पिछले दो माह से हम वीरांगना रानी दुर्गावती के इतिहास के पन्नों को खंगाल रहे थे। यह अफसोस की बात है कि बहुत ही कम जानकारी इतिहास में वीरांगना के बारे में मिलती है। 4 अक्टूबर 1524 को वीरांगना दुर्गावती ने कालिंजर किला में जन्म लिया। गोंडवाना राज्य के राजकुमार दलपत शाह के साथ उनका विवाह हुआ। पति की असमय मृत्यु के बाद दुर्गावती के कंधो पर गोंडवाना राज्य की बागडोर आ गई। उन्होंने अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और अंत में मात्रभूमि की रक्षा के खातिर स्वयं आत्म बलिदान कर लिया। देश उनकी 500वीं जयंती मना रहा है उनकी शौर्य गाथाओं को आम जनों के सामने प्रस्तुत करना यह हमारे लिए गौरव की बात है। आज की युवा पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि हमारे देश एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए किन किन वीरांगनाओं ने बलिदान दिया है। मुख्य अतिथि आर अलागेशन मुख्य महाप्रबंधक नेपा लिमिटेड नेपानगर, अजय गोयल महाप्रबंधक, ज्ञानेश्वर खैरनार, सुब्रजीत दास मौजूद थे।

इन कलाकारों ने दी प्रस्तुति

संजय रोड़े, राजेश बोडस, प्रकाश शिंदे, रविन्द्र हनोते, सैय्यद निसार, प्रकाश केदारे, दिलीप शिंदे, अशोक शेल्के, शंकर चौहान, प्रकाश मराठे, रूपेश महाजन, दुर्गेश पवार, रविन्द्र गेहलोद, फिरोज मंसूरी, राजू, आदित्य दरबार, विजय मोरे, दीपिका सोनी, रेशमा अहमद,

शीला चौधरी, पार्वती दलाल, मुकेश दरबार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सुरेंद्र मेहता, मीना लोंधे, विजय शाह सहित नेपा लिमिटेड के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या मे महिलाएं, आमजन उपस्थित थे।

रानी दुर्गावती महानाट्य का हुआ मंचन

नेपा आडिटोरियम में वीरांगना रानी दुर्गावती महानाट्य का मंचन करते कलाकार। ● नईदुनिया

नेपानगर (नईदुनिया न्यूज)। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार और नेपा लिमिटेड नेपानगर के तत्वावधान में नेपानगर जागृति कला केंद्र द्वारा बुधवार को वीरांगना रानी दुर्गावती शौर्य गाथा महानाट्य. लाइट एंड साउंड शो का मंचन किया गया।

इस महानाट्य में 35 कलाकारों ने हिस्सा लिया। महानाट्य में 68 वर्ष की शीला चौधरी ने दुर्गावती की मां और नौ वर्ष के आदित्य दरबार ने दुर्गावती के पुत्र वीर नारायण का किरदार निभाया। संस्था के निदेशक मुकेश दरबार ने बताया कि दो माह से दुर्गावती के इतिहास की जानकारी जुटा रहे थे। दुख की बात है कि इस बारे में इतिहास में भी कम ही जानकारी मिली। देश उनकी 500वीं जयंती मना रहा है। शौर्य गाथाओं को आम जनों के सामने प्रस्तुत करना यह हमारे लिए गौरव की बात है। आज की युवा पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि हमारे देश एवं मातृभूमि की रक्षा के लिए किन वीरांगनाओं ने बलिदान दिया हैं। दुर्गावती ने अकबर की अधीनता को स्वीकार नहीं किया और मातृभूमि की रक्षा के लिए स्वयं आत्म बलिदान कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर अलागेशन मुख्य महाप्रबंधक नेपा लिमिटेडए अजय गोयल महाप्रबंधकए ज्ञानेश्वर खेरनारए सुब्रजीत दास ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महानाट्य में संजय रोड़े, राजेश बोडस, प्रकाश शिंदे, रविंद्र हनोते, सैयद निसार, प्रकाश केदारे, दिलीप शिंदे, अशोक शेल्के, शंकर चौहान, प्रकाश मराठे, रूपेश महाजन, दुर्गेश पवार, रविंद्र गेहलोद, फिरोज मंसूरी, राजू, आदित्य दरबार, विजय मोरे, दीपिका सोनी, रेशमा अहमद, शिला चौधरी, पार्वती दलाल और मुकेश दरबार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।